यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2018

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 11 तत्त्व

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

i.kkd%& 100

जीवधड़ा **अंक-40**

प्रश्न-1 निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए- **15**

1. भवनपति वाणव्यन्तर ज्योतिषी के अपर्याप्त में उपशम समकित क्यों नहीं पायी जाती है ?

.....

.....

2. इन्द्रिय अलद्धिया का क्या तात्पर्य है ?

.....

.....

3. 15 कर्मभूमि के पर्याप्त मनष्यों के कार्मण काय योग कब पाया जाता है ?

.....

.....

4. सिद्ध शिला के ऊपर व सिद्ध शिला में जीव के कितने भेद पाए जाते हैं और कौन-कौन से?

.....

.....

5. घातकी खंड के दो विभाग कर दें- उत्तरी धातकी खण्ड और दक्षिणी धातकी खंड। उत्तरी धातकी खंड में

मनुष्य के कितने भेद पाए जाते ? कौन से ?

.....

.....

6. यक्ष देव में असंज्ञी का अपर्याप्त भेद क्यों लिया गया है?

.....

.....

7. रत्नप्रभा पृथ्वी का क्षायिक समकिती नैरयिक नरक की स्थिति पूर्ण कर स्थलचर तिर्यंच पंचे में उत्पन्न हो तो उसमें कौन सी समकित पायी जायेगी?

.....

.....

8. विजय विमान वासी देवों के अपर्याप्त में वैक्रिय मिश्रकाय योग पाया जाता है, परन्तु पर्याप्त में क्यों नहीं पाया जाता है ?

.....

.....

9. सात पृथ्वी में किस-किस पृथ्वी में दो लेश्या पायी जाती है और कौन सी ?

.....

.....

10. विभंग ज्ञान में 15 कर्मभूमि और 5 संज्ञी तिर्यंच पंचे के पर्याप्त के ही भेद लिए गए है, अपर्याप्त के भेद क्यों नहीं लिए गए है ?

.....

.....

प्रश्न-2 जोड़ी मिलाइये- **5**

1. औदारिक मिश्रकाय योग-	(A)- युगलिक	.....
2. स्त्री पुरुष वेद-	(B)- 212	.....
3. तेजो लेश्या-	(C)-छेदोपस्थापनीय चारित्र	.....
4. स्थलचर युगलिक	(D)-शुल्क लेश्या	.....
5. 76 अपर्याप्त	(E)- नक्षत्र	.....
6. अवधि ज्ञानी	(F)- बादर वायुकाय पर्याप्त	.....
7. अपर्याप्त अभाषक	(G)- 343	.....

8. त्रैसागरिक देव	(H)- क्षायिक समकित	.....
9. वज्रऋषभनाराच संहनन	(I)-दो दृष्टि	.....
10. भरत क्षेत्र के पर्याप्त मुनष्य	(J)- 210	.....

प्रश्न-3 संक्षेप में उत्तर दीजिए- **10**

1. बरसात में उत्पन्न मेढ़क में कौन-सा वचन योग पाया जाता है ?

.....

.....

2. अढ़ाई द्वीप के बाहर तिर्यंच के कितने भेद पाए जाते है ?

.....

.....

3. पर्याप्त आमोह देव में कौन-सा योग पाया जाता है ?

.....

.....

4. असंज्ञी मुनष्य में कौन-सा संहनन पाया जाता है ?

.....

.....

5. 5 अनुत्तर विमान को छोड़कर जीव के कितने भेदों में चरम और अचरम दोनों भेद पाए जाते हैं।

.....

.....

6. ऐसी कौन सी दृष्टि है जो एकान्त रूप में किसी भी जीव में नहीं पायी जाती है।

.....

.....

7. जीव के कितने भेदों में संज्ञी-असंज्ञी दोनों पाए जाते है ?

.....

.....

8. सम्मूर्छिम मनुष्य के उत्पत्ति स्थान कितने है ?

.....

.....

9. भवनपति देवों के कितने भेद में एकान्त मिथ्या दृष्टि पायी जाती है ?

.....

.....

10. एक वेद में जीव के कितने भेद पाए जाते है ?

.....

.....

प्रश्न–4 निम्न में जीव के कितने भेद पाए जाते है? लिखिए **10**

1. पद्मलेशी देवता
2. सास्वादन समकित
3. नपुंसक वेदी मनुष्य
4. चक्षु दर्शन तिर्यंच
5. अपर्याप्त जीव
6. क्षायिक समकिती नील लेशीनैरयिक
7. अनाहारक मनुष्य
8. अधोलोक में देवता
9. अशाश्वत
10. नो गर्भज मनुष्य

कर्म बन्ध, उदय उदीरणा और सत्ता अंक **अंक60**

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– **10**

1. ..... के द्वारा श्वाासोच्छवास वर्गणा के पुद्गलों का ग्रहण व निस्सरण होता है।
2. आयुष्य बंध अ.मु. काल पर्यन्त ..... परिणामों में होता है ?
3. ..... के निमित्त से स्थिति व अनुभाग बंध होता है।
4. सम्यक्त मोहनीय का क्षय या उपशम होने पर ही जीव ..... श्रेणी आरोहण करता है।
5. एकेन्द्रिय जाति नाम कर्म..... प्रकृति है?
6. संज्वलन मान का क्षय नवें गुण के .....भाग के अन्त में हो जाता है।
7. चरम शरीरी जीव के .....आयु के अतिरिक्त शेष आयु की सत्ता नहीं रहती है।
8. आत्मशक्ति जड़ तुल्य हो जाय वह .....है?
9. .....संहनन वाला जीव क्षपक श्रेणी आरोहण करता है?

10. ..... पूर्ण होने पर कर्म का फल देना उदय कहलाता है?

प्रश्न–6 सही/गलत बताईए– **10**

1. सूर्य विमान वासी देव ही आताप नाम कर्म का बंध करते है ? ( )
2. मिथ्यात्व मोहनीय के उदय से समकित मोहनीय और सम्यक्मिथ्या मोहनीय की सत्ता होती है ? ( )
3. बादर कषाय ही कषाय के बंध के निमित्त भूत होते है। ( )
4. भाषा वर्गणा के पुद्गलों को जीव काय योग से ग्रहण करता है ? ( )
5. देवायु की सत्ता वाला जीव उपशम श्रेणी आरोहण कर सकता है? ( )
6. क्षायिक समकिती जीव के दर्शन मोहनीय की सत्ता की भजना है ? ( )
7. क्षीण कषाय गुणस्थान के चरम समय में निन्द्रा द्विक का उदय विच्छेद हो जाता है? ( )
8. जिस कर्म के उदय में फल की अनुभूति नहीं होती है उसे प्रदेशोदय कहते है? ( )
9. जिननाम की सत्ता वाला जीव प्रथम गुणस्थान में जा सकता है? ( )
10. आहारक द्विक के बंध का निमित्त प्रमत संयत के अध्यवसाय है ? ( )

प्रश्न–7. अंकों में उत्तर दीजिए **5**

1. 9वें गुण. के चौथे भाग में सत्ता योग्य प्रकृतियाँ .....
2. अनादि कालीन मिथ्यात्वी के सत्ता योग्य प्रकृत्तियाँ .....
3. 7वें गुण. की उदय योग्य प्रकृत्तियाँ .....
4. 10 वे गुण में बंध विच्छेद वाली प्रकृत्तियाँ .....
5. प्रथम गुण में अनुदय वाली प्रकृत्तियाँ .....
6. 8 वे गुण में उदीरणा योग्य प्रकृत्तियाँ .....
7. 4 थे गुण से जीव छठे गुण में जावे तो कितनी प्रकृत्तियों का उदय विच्छेद करता है। .....
8. निद्राद्विक की उदीरणा वाले गुणस्थान .....
9. तीसरे गुण से चौथे गुण में जोन पर अबंध योग्य प्रकृत्तियां .....
10. नवें गुण की उदीरणा योग्य प्रकृत्तियों से बंध योग्य प्रकृत्तियों को घटाने से आने वाली संख्या .....

प्रश्न 8. संक्षेप में उत्तर दीजिए– **10**

1. ज्ञान किसका गुण है ?

.....

2. जिससे संसार की वृद्धि हो ?

.....

3. जीव द्वारा ग्रहण किए हुए पुद्गलों में भिन्न-भिन्न स्वभाव का होना क्या कहलाता है ?

.....

4. जीवों के शुभाशुभ परिणाम कितने होते है ?

.....

5. जीवादि तत्वों को देखने जानने का सही दृष्टिकोण क्या कहलाता है ?

.....

6. संसार का दूसरा नाम क्या है ?

.....

7. वक्र गति में रहे हुए जीव को आकाश प्रदेश की श्रेणी के अनुसार गमन करवाने वाले कर्म को क्या कहते है ?

.....

8. उपक्रम लगने पर आयुष्य कर्म की स्थिति कम न हो उसे कौन-सी आयुष्य कहते है ?

.....

9. क्षायिक समकित और उपशम समकित में बाधक कर्म क्या कहलाता है?

.....

10. इष्ट की अप्राप्ति और अनिष्ट की प्राप्ति किस कर्म की वजह से होती है ?

.....

प्रश्न 9. जोड़ी मिलाइये- **5**

1. अनुभाग -	(A)- असंख्य गुणाकार
2. आनुपूर्वी	(B)- तिर्यंच
3. कषाय	(C)- ज्ञानावरणीय
4. सेवार्त्तक	(D)- कषाय
5. औदारिक शरीर	(E)- श्रेणी आरोहण
6. उद्योत-	(F)- तेजस् शरीर
7. पुद्गल विपाकी	(G)- वज्रऋषभनाराच
8. अप्रमत	(H)- स्थिति बंध
9. घातिकर्म	(I)-हुंडक
10. सयोगि केवली	(J)- क्षेत्र विपाकी

प्रश्न 10 निम्नोक्त प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **15**

1. भाव कर्म किसे कहते है?

.....

2. सातवें गुणस्थान में जीव आयुष्य बंध क्यों नहीं प्रारम्भ करता है ?

.....

.....

3. जीव में घोलमान परिणाम कितने काल तक रहता है ?

.....

.....

.....

4. ऐसी कौन-सी प्रकृत्तियाँ है जिनका बंध नहीं होता है पर उदय होता है?

.....

.....

5. अनतांनुबंधी कषाय के उदय के अभाव में क्या उसका बंध होता है? कैसे ?

.....

.....

.....

6. उपशम सम्यक्त्व किसे कहते है ?

.....

.....

7. कर्मों के विपाकोदय के निमित्त कौन होते है ?

.....

.....

8. समकित मोहनीय और मिश्र मोहनीय की सत्ता कैसे प्राप्त होती है ?

.....

.....

.....

.....

.....

9. क्या क्षायिक समकिती जीव उपशम श्रेणी आरोहण करता है ? उसी भव में मोक्ष प्राप्त करता है? सिद्धान्तमतानुसार कथन कीजिए ?

.....

.....

.....

.....

.....

10. जीव श्रेणी में आहारक द्विक का बंध करता है? किस गुणस्थान में, कब तक?

.....

.....

प्रश्न 11 14वें गुण में कितनी प्रकृत्तियों का विपाकोदय और कितनी प्रकृत्तियों का प्रदेशोंदय रहता है? प्रदेशोदय वाली प्रकृत्तियों के नाम लिखे ? 2½

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 12. क्षपक जीव के नौवें गुणस्थान में कितनी प्रकृत्तियों की सत्ता रहती है ? किन प्रकृत्तियों को किस भाग में क्षय करके क्षपक जीव दसवें गुणस्थान को प्राप्त करता है ? 2½

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....